जनन

---

1. पर-परागण क्या है?

उत्तर- एक पुष्प के पराग कणों का दूसरे पुष्प के वर्तिकान पर पहुँचने की क्रिया को पर-परागण कहते हैं।

2. HIV और AIDS का पूर्ण रूप दें।

उत्तर- HIV- Human Immunodeficiency Virus

AIDS- Acquired Immune Deficiency Syndrome.

3. निषेचन को परिभाषित कीजिए। अथवा, निषेचन किसे कहते हैं?

उत्तर- नर युग्मक नाभिक का मादा बीजाण्ड नाभिक के साथ परस्पर संलयन की प्रक्रिया को निषेचन कहते हैं।

4. परागण क्रिया निषेचन से किस प्रकार भिन्न है?

उत्तर- निषेचन पूर्वपरागकणों के स्त्रीकेशर पर पहुँचना परागण है जबकि नर एवं मादा युग्मक का संलयन निषेचन है, अत: दोनों भिन्न हैं।

5. परागण किसे कहते हैं? वर्षा होने पर परागण पर क्या प्रभाव पड़ेगा?

उत्तर- पराग कणों को पुंकेसर से वर्तिकान तक स्थानान्तरण की क्रिया परागण कहलाती है। यदि पराग कण उसी पुष्प के वर्तिकान पर स्थानान्तरित होते हैं तो यह स्वपरागण कहलाता है। यदि एक पुष्प का पराग कण दूसरे पुष्प पर स्थानान्तरित होते हैं तो उसे परपरागण कहते हैं। वर्षा होने पर पराग कण धुलकर मिटटी से चिपक जाएँगे अतः परागण नहीं हो पाएगा।

6. परागण किसे कहते हैं? स्व-परागण एवं पर-परागण में अन्तर स्पष्ट करें।

उत्तर-पराग कणों का स्त्रीकेसर के वर्तिकाग्र तक स्थानांतरण या संचारण को परागण कहा जाता है।

	स्व–परागण	पर–परागण
1.	जब एक ही पुष्प के पराग कण उसी पुष्प के वर्तिकाग्र पर पहुँचते हों तब इसे स्व–परागण कहते हैं।	जब एक पुष्प के पराग कण दूसरे पौधे पर अवस्थित पुष्प के वर्तिकाग्र पर पहुँचते हैं तब उसे पर–परागण कहते हैं।
2.	इस परागण से संतान दुर्बल उत्पन्न होती हैं।	पर–परागण द्वारा पौधों की नई किस्में पैदा की जाती हैं।
3.	इस प्रकार परागित फूलों से उत्पन्न बीजों के दुर्बल होने की प्रतिशतता बढ़ जाती है।	इस प्रकार परागित फूलों से उत्पन्न बीज अधिक जीवनक्षम होते हैं।

8. ऋतु-स्त्राव क्यों होता है?

उत्तर- यदि अंडे का नारी शरीर में निषेचन नहीं हो, तो अंड-कोशिका लगभग एक दिन तक जीवित रहती है। अंडाशय हर महीने एक अंड का मोचन करता है और निषेचित अंड की प्राप्ति हेतु गर्भाशय भी हर महीने तैयारी करता है। इसलिए इसकी अंत:भित्ति मांसल एवं स्पंजी हो जाती है। यह अंडे के निषेचन में उसके पोषण के लिए आवश्यक है। निषेचन न होने की अवस्था में इस परत की आवश्यकता नहीं रहती। इसलिए यह परत धीरे-धीरे टूट कर योनि मार्ग से रुधिर एवं म्यूकस के रूप में बाहर निकल जाती है। इस चक्र में लगभग एक मास का समय लगता है। इसे ऋतुस्राव अथवा रजोधर्म कहते हैं। इसकी अवधि लगभग 2 से 8 दिनों की होती है।

9. एक कोशिकीय एवं बहुकोशिकीय जीवों की जनन पद्धति में क्या अंतर है?

उत्तर- एक कोशिकीय जीव प्रायः विखंडन, मुकुलन, पुनरुद्भवन, बहुखंडन आदि विधियों से जनन करते हैं। उनमें केवल एक ही कोशिका होती है। वे सरलता से कोशिका विभाजन के द्वारा तेजी से जनन कर सकते हैं। बहुकोशिकीय जीवों में जनन क्रिया जटिल होती है और यह मुख्य रूप से लैंगिक जनन द्वारा होती है।

10. परागण क्रिया क्या है? अथवा, परागण से आप क्या समझते हैं?

उत्तर- निषेचन क्रिया के पूर्व पराग कणों का स्त्रीकेसर के वर्तिकाग्र तक पहुँचने की क्रिया को परागण कहते हैं।

11. एकलिंगी (Asexual) तथा द्विलिंगी (Bisexual) की परिभाषा एक-एक उदाहरण देकर कीजिए।

उत्तर- एकलिंगी-वे जीव जिनमें नर और मादा स्पष्ट रूप से अलग-अलग हों उन्हें एकलिंगी जीव कहते हैं। उदाहरण-मनुष्य।

द्विलिंगी- जिन जीवों में नर और मादा लिंग एक साथ उपस्थित होते हैं उन्हें द्विलिंगी कहते हैं। उदाहरण केंचुआ।

12. द्विखण्डन और बहुखण्डन में अन्तर लिखिए। अथवा, द्विखण्डन बहुखण्डन से किस प्रकार भिन्न है?

उत्तर-द्विखण्डन और बहुखण्डन में निम्न अन्तर हैं

	द्विखण्डन	बहुखण्डन
1.	इसमें एक जीव से दो जीव बन जाता है।	इसमें एक जीव से दो या दो से अधिक जीव बन जाते हैं।
2.	यह अनुकूल परिस्थितियों में पूर्ण होता है।	यह प्रतिकूल परिस्थितियों में पूर्ण होता है।